रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

संकटकाल में सरकार और समाज के बीच सेतु बना मीडिया : कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र

पत्रकारिता विभाग में कोविड–19 से मीडिया के क्षेत्र में सामने आई चुनौतियों और समाधान पर ऑनलाईन वेबिनार का आयोजन

जबलपुर 12 मई। वर्तमान समय में पूरा विश्व कोरोना वायरस महामारी के कारण संकट की स्थिति में है। भारत में भी पूरा सरकारी तंत्र और समाज का प्रत्येक वर्ग इससे उत्पन्न परिस्थितियों के कारण बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस संकट के काल में मीडिया ही है जो सरकार, शासन और समाज के बीच एक सेतु की तरह हर मोर्चे पर जोड़ने का कार्य कर रहा है। निश्चित तौर पर ऐसे समय में मीडिया के समक्ष भी कई नई गंभीर चुनौतियां सामने आई हैं, ऐसे में इन चुनौतियों को अवसर में बदलने का कार्य भी प्रषासन और समाज को ही मिलजुलकर करना है।

उपरोक्त उद्‌गार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने मंगलवार को विश्वविद्यालय के संचार अध्ययन एवं शोध विभाग (पत्रकारिता विभाग) में "कोरोना संक्रमणः जनमाध्यमों की चुनौतियां एवं समाधान" विषय पर आयोजित ऑनलाईन वेबिनार की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। विशिष्ट अतिथि रादुविवि कुलसचिव प्रो. कमलश मिश्र ने बताया कि कोरोना संकट के चलते लोगों के जीवन और सांस्कृतिक मूल्यों में भी बदलाव आया है परंतु जनमाध्यमों ने लोगों को प्रत्येक स्तर पर जागरूक करने के अपने दायित्यों का निर्वहन पूरी तन्मयता से किया है। गूगल मीट पर आयोजित इस वेबिनार के प्रारंभ में बेबिनार संयोजक एवं विभागाध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक ने सभी विशिष्ट अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया। विषय प्रवर्तक के रूप में पत्रकारिता विभाग काशी विद्यापीठ वाराणसी के डॉ. मनोहर लाल ने बताया कि पत्रकारिता का जन्म ही संक्रमण की स्थितियों के बीच हुआ है और वर्तमान समय में उसके उपर कोराना महामारी के बीच समाज को जागरूक करने और स्वयं के अस्तित्व की रक्षा की दोहरी जिम्मेदारी है।

जनमाध्यमों के समक्ष आर्थिक संकट की स्थिति–

वेबिनार के प्रारंभ में विशिष्ट अतिथि डॉ. राघवेन्द्र मिश्र, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक ने बताया कि कोरोना महामारी से उत्पन्न स्थितियों के कारण जनमाध्यमों के समक्ष आर्थिक संकट की स्थिति निर्मित हो गई है। अब यही स्थितियां तय करेगा कि भविष्य में जनमाध्यमों का स्वरूप कैसा होगा। विशिष्ट अतिथि दैनिक जागरण वाराणसी के सहायक संपादक डॉ. नागेन्द्र पाठक ने बताया कि कोरोना संकट से जनमाध्यम भी अछूते नहीं हैं। इन संस्थानों में विज्ञापन आ नहीं रहे और सर्कुलेशन अलग गिरा हुआ है, ऐसे में निष्पक्ष पत्रकारिता और अपनी विश्वसनीयता को कायम रखना भी चुनौतियों में शामिल है।

पूरे उत्साह संकट से जूझ रहे मीडियाकर्मी–

वेबिनार में विशिष्ट अतिथि श्री रविन्द्र दुबे, स्थानीय संपादक नई दुनिया ने बताया कि कोरोना से उत्पन्न स्थितियों के बीच मीडियाकर्मी पूरे उत्साह के साथ अपने दायित्वों को अंजाम दे रहे हैं। भले ही मीडिया कर्मियों को कोरोना वारियर्स की तरह सम्मान और सुरक्षा नहीं मिल रही हो परंतु इसके बाद भी वह सच्ची जानकारियां, सूचनाएं जनता तक पहुंचाने में लगा है। विशिष्ट अतिथि श्री सुमन पुरोहित, ब्यूरो चीफ सहारा समय ने कोरोना संकट के दौरान फील्ड पर मीडियाकर्मियों के समक्ष आने वाली समस्याओं और सुरक्षा कारकों का उल्लेख करते हुए बताया कि पत्रकारिता के क्षेत्र में आने के पूर्व ही विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन भी एक विषय के रूप में सिखाया जाना चाहिए।

6 राज्यों से वेबिनार में शामिल हुए प्रतिभागी–

वेबिनार संयोजक प्रो. धीरेन्द्र पाठक ने बताया कि इस वेबिनार में 6 राज्यों हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र से 124 प्रतिभागी शामिल हुए। बीजेसी छात्र अमरकांत चौधरी की होस्टिंग में समन्न वेबिनार में आभार प्रदर्शन अतिथि विद्वान डॉ. संजीव श्रीवास्तव ने किया। वेबिनार में सह संयोजक पत्रकारिता विभाग के अतिथि विद्वान डॉ. मोहम्मद जावेद, डॉ. शैलेष प्रसाद, डॉ. प्रमोद पाण्डे, डॉ. मोहनिका गजभिए, कौशल विकास विभाग के डॉ. अजय मिश्रा सहित पत्रकारिता विभाग के सभी छात्र–छात्राएं एवं शोधार्थी मौजूद रहे।

रादुविवि जनसम्पर्क प्रकोष्ठ / क्रमांक / 880 / 12.05.2020